भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
23.07.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 466 का उत्तर

यात्री रेल गाड़ियों में अत्यधिक भीड़

466. श्री इमरान मसूद:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2019 से भारतीय रेल में यात्रा करने वाले यात्रियों का वर्षवार और श्रेणीवार आंकड़ा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा यात्री ट्रेनों में अत्यधिक भीड़ की समस्या से निपटने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने बजट अनुकूल यात्री ट्रेनों की संख्या और क्षमता कम कर दी है;

(घ) यदि हाँ, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) क्या सरकार का ट्रेनों के सामान्य डिब्बों में अत्यधिक भीड़ की समस्या से निपटने के लिए यात्री ट्रेनों में कुछ नए डिब्बे जोड़ने का विचार है; और

(च) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (च): पिछले 6 वर्षों (2019-20 से 2024-25) के दौरान, भारतीय रेल में कुल 3,349 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की, जिसमें 418 करोड़ आरक्षित और 2,931 करोड़ अनारक्षित श्रेणी के यात्री शामिल थे (2020-21 और 2021-22 कोविड वर्ष थे)।

भारतीय रेल पर, रेलगाड़ियों की अधिभोगिता का स्वरूप वर्ष भर एक समान नहीं रहता और यह कम व्यस्त और व्यस्ततम अवधि में बदलती रहती है। व्यस्ततम अवधि के दौरान, विशेष रूप से व्यस्त मार्गों पर, रेलगाड़ियों में सीटें पूरी तरह से भरी रहती हैं, जबकि कम व्यस्त अवधि और कम लोकप्रिय मार्गों पर, रेलगाड़ियों की अधिभोगिता कम होती है।

भारतीय रेल पर चलने वाली रेलगाड़ियों के यातायात स्वरूप की नियमित आधार पर निगरानी की जाती है और अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन, मौजूदा रेलगाड़ियों में सवारी डिब्बों की संख्या को बढ़ाया जाता है, स्पेशल गाड़ियां चलाई जाती हैं, नई रेलगाड़ियों की शुरुआत की जाती हैं, मौजूदा रेलगाड़ियों के फेरों को बढ़ाया जाता है।

तदनुसार, वर्ष 2024 और 2025 के दौरान, होली और ग्रीष्मावकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए स्पेशल गाड़ियों के प्रतिवर्ष लगभग 13,500 फेरे संचालित किए गए। दुर्गा पूजा/दीपावली/छठ के दौरान होने वाली भीड़ की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, 1 अक्टूबर, 2024 से 30 नवंबर, 2024 की अवधि के दौरान लगभग 1.8 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करने के लिए स्पेशल गाड़ियों के 7,990 फेरे परिचालित किए गए।

हाल ही में संपन्न महाकुंभ के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए, भारतीय रेल ने 13 जनवरी, 2025 से 28 फरवरी, 2025 की अवधि के दौरान 17,300 से अधिक रेलगाड़ियों का परिचालन किया तथा लगभग 4.24 करोड़ यात्रियों को सेवित किया।

रेलवे ने साधारण श्रेणी में यात्रा करने के इच्छुक यात्रियों की सुविधाओं में उल्लेखनीय वृद्धि की है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ही, विभिन्न लंबी दूरी की रेलगाड़ियों में 1250 साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बों का उपयोग किया गया है।

गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रतिशत उल्लेखनीय रूप से बढ़कर लगभग 70% हो गया है, जिसका वर्णन निम्नानुसार है:

तालिका 1: सवारी डिब्बों का वर्गीकरण:

गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बे (साधारण और शयनयान)	**लगभग 57,200**	**लगभग 70%**
वातानुकूलित सवारी डिब्बे	**लगभग 25,000**	**लगभग 30%**
कुल सवारी डिब्बे	**लगभग 82,200**	**100%**

साधारण डिब्बों की अधिक उपलब्धता के कारण, साधारण/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या में वृद्धि का रुझान देखा गया है, जो निम्नानुसार है:

तालिका 2: साधारण/अनारक्षित सवारी डिब्बों में यात्रियों की संख्या:

वर्ष	**यात्रियों की संख्या**
2020-21	**99 करोड़ (कोविड वर्ष)**
2021-22	**275 करोड़ (कोविड वर्ष)**
2022-23	**553 करोड़**
2023-24	**609 करोड़**
2024-25	**656 करोड़**

पिछले कुछ वर्षों में गैर-वातानुकूलित श्रेणी में यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए उपलब्ध सीटों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वर्तमान संरचना इस प्रकार है:

तालिका 3: सीटों का वर्गीकरण:

गैर-वातानुकूलित सीटें	लगभग 54 लाख	लगभग 78%
वातानुकूलित सीटें	लगभग 15 लाख	लगभग 22%
कुल	लगभग 69 लाख	100%

रेलवे ने अमृत भारत एक्सप्रेस नाम से एक पूरी तरह से गैर-वातानुकूलित आधुनिक रेलगाड़ी विकसित की है। इस रेलगाड़ी की 14 सेवाएँ पहले से परिचालन में हैं। इन आधुनिक रेलगाड़ियों में झटके रहित यात्रा के लिए सेमी-परमानेंट कपलर, हॉरिजोन्टल स्लाइडिंग विंडो, फोल्डेबल स्नैक टेबल और बॉटल होल्डर, मोबाइल होल्डर आदि जैसी उन्नत सुविधाएँ हैं। इन रेलगाड़ियों में 8 शयनयान श्रेणी और 11 साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बे हैं।

साधारण और गैर-वातानुकूलित शयनयान डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान प्रदान करने के लिए, मेल/एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की संरचना के संबंध में मौजूदा नीति में 22 सवारी डिब्बों की एक रेलगाड़ी में 12 (बारह) साधारण श्रेणी और शयनयान श्रेणी के गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों और 08 (आठ) वातानुकूलित सवारी डिब्बों का प्रावधान है, जिससे साधारण और गैर-वातानुकूलित शयनयान सवारी डिब्बों का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक स्थान प्रदान किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, अनारक्षित स्थान का लाभ उठाने के इच्छुक यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल द्वारा किफायती यात्रा के लिए अनारक्षित गैर-वातानुकूलित यात्री रेलगाड़ियां/एमईएमयू/ईएमयू आदि चलाई जाती हैं, जो मेल/एक्सप्रेस सेवाओं में उपलब्ध अनारक्षित स्थान (सवारी डिब्बे) के अतिरिक्त हैं।

अमृत भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों का विकास, एमईएमयू रेलगाड़ियों का विनिर्माण, तथा साधारण श्रेणी के सवारी डिब्बों की हिस्सेदारी में वृद्धि से यह स्पष्ट है कि भारतीय रेल साधारण श्रेणी में यात्रा की मांग को प्रभावी ढंग से पूरा कर रही है।

गैर-वातानुकूलित सवारी डिब्बों की वर्तमान उच्च हिस्सेदारी (कुल सवारी डिब्बों का लगभग 70%) के अतिरिक्त, रेलवे अगले 5 वर्षों में 17,000 गैर-वातानुकूलित साधारण/शयनयान सवारी डिब्बों के लिए एक विशेष विनिर्माण कार्यक्रम निष्पादित कर रही है।

******